भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 1104
दिनांक 25.07.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

भारत के लैटिन अमेरिका के साथ प्रगाढ़ होते संबंध

1104. **श्री विष्णु दयाल रामः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा नई दिल्ली में होंडुरास का दूतावास उद्घाटन किए जाने के मद्देनजर लैटिन अमेरिकी देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) उक्त क्षेत्र में भारत की राजनयिक और आर्थिक भागीदारी को और प्रगाढ़ करने के लिए नवीनतम या सुनियोजित पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार उन लैटिन अमेरिकी देशों में और अधिक भारतीय दूतावास खोलने की योजना बना रही है जहाँ फिलहाल भारत का प्रतिनिधित्व नहीं है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और

(घ) क्या भारत की व्यापक दक्षिण-दक्षिण सहयोग रणनीति के अन्तर्गत लैटिन अमेरिका को एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में देखा जा रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क) हाल के वर्षों में, भारत ने लैटिन अमेरिकी और कैरिबियाई (एलएसी) क्षेत्र के सभी देशों के साथ अपने संबंधों को लगातार सुदृढ़ किया है। हमारे संबंध व्यापार और निवेश, कृषि, डीपीआई (डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना), फार्मास्यूटिकल्स, क्षमता निर्माण, लोगों के आपसी संबंधों सहित कई क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं तथा गतिशील विकास सहभागिता और कैरीकॉम (कैरिबियन समुदाय), एसआईसीए (मध्य अमेरिकी एकीकरण प्रणाली) एवं सीईएलएसी (लैटिन अमेरिकी एवं कैरिबियाई राष्ट्रों का समुदाय) जैसे क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर मजबूत सहयोग द्वारा प्रदर्शित होती है। पिछले एक वर्ष के दौरान, भारत ने बोलीविया में अपना मिशन खोला है, जबकि होंडुरास तथा सेंट किट्स एवं नेविस ने दिल्ली में अपने मिशन खोले हैं। पिछले एक वर्ष के दौरान बढ़े हुए राजनीतिक कार्यक्रमों ने हमारे संबंधों को नई गति प्रदान की है।

(ख) सरकार ने लैटिन अमेरिका क्षेत्र में भारत के राजनयिक और आर्थिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए कई पहल की हैं। माननीय प्रधानमंत्री ने दूसरे भारत-कैरीकॉम शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता और द्विपक्षीय यात्रा (20-21 नवंबर, 2024) के लिए गुयाना की यात्रा की तथा त्रिनिदाद एवं टोबैगो (3-4 जुलाई,

2025), अर्जेंटीना (4-5 जुलाई, 2025) और ब्राज़ील (5-8 जुलाई, 2025) की द्विपक्षीय यात्रा भी की। हाल ही में होने वाली उच्च स्तरीय यात्राओं में जमैका के प्रधानमंत्री (अक्टूबर 2024), चिली के राष्ट्रपति (अप्रैल 2025) और पैराग्वे के राष्ट्रपति (जून 2025) की यात्राएँ शामिल हैं। माननीय विदेश मंत्री, डॉ. एस. जयशंकर ने अप्रैल 2023 में गुयाना, पनामा, कोलंबिया और डोमिनिकन गणराज्य की यात्रा की। गुयाना में, विदेश मंत्री ने चौथी भारत-कैरीकॉम मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता की और पनामा में, उन्होंने भारत-एसआईसीए विदेश मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लिया। साथ ही, माननीय प्रधानमंत्री और माननीय विदेश मंत्री ने यूएनजीए (संयुक्त राष्ट्र महासभा) और अन्य बहुपक्षीय मंचों के अवसर पर एलएसी क्षेत्र के अपने समकक्षों के साथ कई बैठकें कीं। श्री पबित्रा मार्गेरिटा, माननीय राज्य मंत्री ने पिछले एक वर्ष के दौरान एलएसी क्षेत्र में एंटीगुआ एवं बारबुडा, बहामास, बारबाडोस, डोमिनिकन गणराज्य, अल सल्वाडोर, ग्रेनाडा, ग्वाटेमाला, मैक्सिको, निकारागुआ, पनामा, त्रिनिदाद एवं टोबैगो तथा उरुग्वे का दौरा किया। सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) भारत-एलएसी कॉन्क्लेव भारत और एलएसी क्षेत्र के बीच आर्थिक और वाणिज्यिक सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। इस कॉन्क्लेव का 9वां संस्करण 3-4 अगस्त 2023 को आयोजित किया गया, इसके बाद 10वां संस्करण 19-20 मार्च 2025 को आयोजित किया गया, जिसमें भारत और विदेशों से 600 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

(ग) मंत्रालय समय-समय पर उन देशों में आवासीय मिशन खोलने के प्रस्ताव तैयार करता है जहाँ कोई भारतीय मिशन नहीं हैं। हमारी विदेश नीति का उद्देश्य मित्र देशों के साथ साझेदारी के माध्यम से भारत की वृद्धि और विकास के लिए अनुकूल वातावरण का निर्माण करना है। पूरे विश्व में भारत के मिशन और केंद्र साझेदार देशों के साथ संबंधों के माध्यम के रूप में कार्य करते हैं। नए भारतीय मिशन खोलने का निर्णय विभिन्न क्षेत्रों में भारत की उपस्थिति का विस्तार करने और हमारी प्राथमिकताओं के लिए अंतर्राष्ट्रीय समर्थन को व्यापक बनाने के लिए है।

(घ) भारत सरकार दक्षिण-दक्षिण सहयोग की रूपरेखा में लैटिन अमेरिका और कैरिबिया (एलएसी) को एक प्रमुख सहभागी मानती है। इस प्रयास के तहत, भारत आपसी हितों के सभी क्षेत्रों में सहयोग और सहभागिता को बढ़ाने के उद्देश्य से एलएसी देशों के साथ जुड़ रहा है। पिछले एक वर्ष में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा एलएसी क्षेत्र के चार देशों की यात्रा और अप्रैल 2023 में माननीय विदेश मंत्री द्वारा भी चार देशों की यात्रा भारत द्वारा इस क्षेत्र को दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है। माननीय विदेश राज्य मंत्री (श्री पबित्रा मार्गेरिटा) ने भी पिछले एक वर्ष के दौरान 12 एलएसी देशों की यात्रा की। लैटिन अमेरिका के साथ हमारे सभी संपर्कों और आदान-प्रदानों में, ग्लोबल साउथ के मुद्दों और उसकी प्राथमिकताओं पर हमेशा ध्यान केंद्रित किया जाता है तथा इन्हें वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया जाता है। एलएसी देशों के साथ हमारे संबंध राजनीतिक, व्यापार और निवेश, कृषि, डीपीआई, फार्मास्यूटिकल्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, क्षमता निर्माण, लोगों के आपसी संबंधों सहित कई क्षेत्रों में आगे बढ़े हैं तथा गतिशील विकास सहभागिता और कैरीकॉम, एसआईसीए और सीईएलएसी जैसे क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मंचों पर मजबूत सहयोग द्वारा प्रदर्शित होती है। भारत एचएडीआर (मानवीय सहायता और आपदा राहत) में 'प्रथम सहायता प्रदाता' के रूप में भी कार्य कर रहा है, डिजिटल प्रौद्योगिकी में अपनी विशेषज्ञता साझा कर रहा है और एलएसी क्षेत्र में हमारे सहभागी देशों को क्षमता निर्माण पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है।

*****